जनसंवाद केंद्र के प्रयास से गूंजी किलकारी

हजारीबाग- हजारीबाग, निवासी कौसर बानो (बदला हुआ नाम) बेहद खुश है। उसकी खुशी की वजह है, उसकी गोद में खेलती संतान। इस मासूम के दुनिया मे आने से पहले कुछ गैरजिम्मेदार डॉक्टर ने कौसर की खुशी को मातम मे तब्दील करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। मगर जन संवाद केंद्र की मदद से कौसर और उनका पूरा परिवार बच्चे की पैदाईश की खुशी माना रहा हैं।

दरअसल, प्रसव पीड़ा के बाद कौसर के परिजनों ने उसे गत 12 सितंबर को हजारीबाग सदर अस्पताल में भर्ती कराया था। अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे ऑपरेशन की बात कह रांची स्थित रिम्स ले जाने को कह दिया । कौसर के पति ने इस प्रसंग से मुख्यमंत्री जन संवाद केंद्र को अवगत कराया। केंद्र की संवाद विशेषज्ञ सुचिता गाड़ी ने अविलंब इसकी जानकारी संवाद प्रमुख मिथिलेश सिंह को दी। उन्होंने रांची स्थित स्वास्थ्य निदेशालय में फोन कर अधिकारी संतोष कुमार को वस्तुस्थिति से अवगत कराया। इसके बाद निदेशालय से हजारीबाग सदर अस्पताल को निर्देश दिया गया। तत्काल कार्रवाई करते हुए कौसर का इलाज वहीं शुरू हुआ और उसी दिन कौसर ने एक स्वस्थ संतान को जन्म दिया।

कौसर ने मुख्यमंत्री जन संवाद केंद्र के प्रति आभार प्रकट किया है। मुख्यमंत्री जन संवाद केंद्र के प्रयास से आज एक मां की गोद सूनी होने से बच गयी। इस तरह मुख्यमंत्री जन संवाद केंद्र की पहल ने स्वास्थ्य के धंधेबाज़ों पर नकेल डाला।